शहरी विकास मंत्री (श्री भोल : राम सारण) : (क) जी, हां ।

(ख) यह परियोजना इस समय अभिकल्प-पूर्व अध्ययन अवस्था में हैं ।

रेलवे स्टेशनों पर भोजन व जलपान उपलब्ध कराने के लिए राज सहायता

1250. डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि यात्रियों की सुविधा के लिये स्टेशनों पर तथा गाड़ियों में भोजन व जलपान की आवश्यक व्यवस्था की गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस व्यवस्था को सुचारू तथा प्रभावी ढंग से चलाने के लिये सरकार द्वारा राज-सहायता दी जाती है ;

(ग) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा इस विभाग को कितनी धनराशि की राज-सहायता दी गई है ;

(घ) क्या इन वर्षों के दौरान यात्रियों को परोसे गये भोजन व नाश्ते आदि की गुणवत्ता में भी कोई सुधार किया गया है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और चालू वर्ष के दौरान अब तक किये गये सुधारों का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरन दास) : (क) जी, हां ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) और (ङ) खानपान सेवा में सुधार करना एक सतत् प्रक्रिया है । इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये किये गये उपाय इस प्रकार हैं—आधार रसोईघरों का आधुनिकीकरण, कैंसरोल सेवा शुरू करना, अच्छी गुणवत्ता की कच्ची सामग्री का इस्तेमाल, व्यंजन सूची में संशोधन, लकड़ी के कोयले का इस्तेमाल समाप्त करना, साफ सुथरे वातावरण में भोजन तैयार करना, नियमित और आकस्मिक जांच करना तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना ।

विनाशक जीवनाशियों का प्रतिकूल प्रभाव

1251. डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रति वर्ष रोगों व कीटाणुओं के कारण फसलों का बहुत बड़ा भाग नष्ट हो जाता है ;

(ख) यदि हां, तो इसके परिणामस्वरूप अनुमानित नुकसान कितना होता है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि वैज्ञानिकों ने कृषि उत्पादन पर विनाशक जीवनाशियों के इस्तेमाल के संभावित प्रतिकूल प्रभावों के संबंध में अनुसंधान कार्य शुरू किया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उचित एवं निरापद विनाशक जीवनाशियों के संबंध में अनुसंधान करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयसी लाल वीर चन्द भाई शाह) : (क) और (ख) जी, हां, हमारे देश में हर वर्ष कीटों और बीमारियों से फसलों को काफी क्षति पहुंचती है । आमतौर पर अनुमानित क्षति 10–30 प्रतिशत तक की होती है जो कि फसलों, उसकी किस्म, कीटों, मौसम तथा स्थानीय स्थिति आदि पर निर्भर करता है । यह क्षति केवल फसलों की है न कि गोदामों में रखे खाद्यान्नों की ।

(ग) और (घ) जी, हां, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि उत्पादन में कीटनाशकों के प्रयोग से होने

वाले विभिन्न कुप्रभावों, जैसे कीटनाशियों की कीट प्रतिरोधी क्षमता, कीटों का फिर से पैदा हो जाना और कीटनाशियों से होने वाले जैव नियंत्रक एजेंटों के विनाश पर अनुसंधान कार्य चल रहे हैं। परिणामस्वरूप किसानों के लिए समेकित कीट प्रबंध की पद्धतियों की, जिसमें निरापद और चुनिंदा कीटनाशियों का प्रयोग करना भी शामिल है, अपनाने के लिए सिफारिश की जा रही है।

Establishment of ITDC Hotels in Goa

1252. SHRI JOHN F. FERNANDES: *Will the Minister of TOURISM be pleased* to state:

(a) whether Government are aware that there are no ITDC Hotel establishments in Goa, despite it being the second best tourist spot in the country after J & K and in view of disturbed condition in the North, these hotels are running in losses; and

(b) if so, whether Government propose to establish such hotels in Goa to augment the losses in North India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRIMATI USHA SINGH): (a) and (b) ITDC does not have at present any hotel establishment of its own in Goa. However, on 12 Feb., 90, ITDC has signed an agreement to be effective from 15 Fab., 90 with M/s Alcon Resorts Holdings Ltd.—a private company of Goa—to provide its marketing, consultancy and advisory services on fee basis for their beach resort of 171 rooms in Cavalossim, Goa.

The Draft Eighth Five Year Plan (1990-95) of ITDC does not envisage any scheme/provision for setting up hotel project in Goa.

Losses suffered by ITDC Hotels

1253. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government are aware of huge losses suffered by ITDC hotels due to mismanagement compared to private hotels with similar facilities; and

(b) if so, in order to avoid further losses to the ITDCs whether Government propose to lease these ITDC hotels to private operaters for their better management for being better use to tourists in this year of Tourism Year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRIMATI USHA SINGH): (a) ITDC owns and operates 25 hotels in the country. During 1989-90, its hotels made an overall profit of about Rs. 6.45 crores.

(b) No Sir, in view of reply to part (a) above.

Schemes for students and artisans to stay at ITDC Hotels on concessional rates

1254. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government has devised a policy to allow students and rural artisans to stay at selected ITDC Hotels in the country for nominal fee of Rs. 40 per room on four persons sharing basis; and

(b) if so, which are the ITDC Hotels identified for this scheme and when this programme would be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRIMATI USHA SINGH): (a) ITDC has floated a special low priced backage for students and farmers which allows a stay at concessional rates at several Ashok Group Hotels throughout the country with facility of in-expensive Thali meals. Under this package a group of minimum 8 students or farmers can form a group and avail accommodation at prices ranging from Rs. 40/- per person to Rs. 65/- per person per night at 30 locations in India subject to a maximum stay of 3 nights. This offer is based on minimum 4 persons sharing a room. The students or farmers require a letter of authority from their educational institution or local Panchayat Administration respectively. All taxes would be extra and his offer